PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Nai Duniya, New Delhi
Tuesday, 19th July 2011, Page: 9
Width: 16.40 cms Height: 8.68 cms, Ref: pmin.2011-07-19.54.97

जयराम ने ग्रामीण विकास मंत्रालय को दी नई धार

शशिधर पाठक

- मंत्रालय में बांटा काम, तीनों राज्यमंत्रियों को मिला रोजगार
- जयराम की टेक्नोक्रेट स्टाइल से मंत्रालय में नई जान की उम्मीद

नई दिल्ली। आईआईटियन जयराम रमेश ने ग्रामीण विकास मंत्रालय का प्रभार संभालते ही इसमें आमूल-चूल परिवर्तन का सब्जबाग दिखाना शुरू कर दिया है। टेक्नोक्रेट जयराम की कार्यप्रणाली से जहां मंत्रालय के राज्यमंत्रियों को रोजगार मिल गया है, वहीं मंत्रालय के कामकाज में विकेंद्रीकरण की साफ झलक देखने को मिलने लगी है। उनके द्वारा लिए गए कुछ निर्णयों को लेकर मंत्रालय के संयुक्त सचिव और इसके ऊपर के अधिकारियों में कानाफूसी भी खासी तेज है। संयुक्त सचिव स्तर के एक अधिकारी की मानें तो जयराम के नए निर्देश से अब ग्रामीण विकास सचिव की भी नजर में राज्यमंत्रियों की हैसियत काफी बढ़ जाएगी।

जयराम ने 15 जुलाई को मंत्रालय के तीनों राज्य-मंत्रियों (तृणमूल कांग्रेस कोटे से राज्यमंत्री शिशिर अधिकारी, कांग्रेस से प्रदीप जैन और एनसीपी से अगाथा संगमा), ग्रामीण विकास सचिव बीके सिन्हा, सचिव (डीओएलआर), सचिव (डीएसएस) को कार्य आवंटन पत्र जारी किया है। इस पत्र में भी राज्यमंत्री को पहले और नौकरशाहों को बाद में रेखांकित किया गया है।

पत्र में जयराम ने निर्देश दिए हैं कि मनरेगा और पीएमजीएसवाई योजना से जुड़ी फाइलें राज्यमंत्री प्रदीप जैन के पास पहले प्रस्तुत की जाएं और उन्हें दिखाने के बाद ही उनके टेबल पर आएं। एनआरएलपी, एनएसएपी और एनआरडीडब्ल्यूपी से जुड़ी सभी फाइलें अगाथा संगमा के पास पहले भेजी जाएं। जयराम का निर्देश है कि जितने भी भूमि संसाधन विभाग से जुड़े गैर तारांकित सवाल हैं उनके जवाब पर शिशिर अधिकारी की अनुमति ली जाए।

ग्रामीण विकास के गैर तारांकित सवालों पर प्रदीप जैन की और पेयजल तथा सैनिटाइजेशन विभाग से जुड़े गैर तारांकित सवालों पर अगाथा संगमा की अनुमति ली जाए। इतना ही नहीं जयराम के निर्देश के मुताबिक मानक सवालों (विशेष सवालों) को उनके पास भेजा जाए, लेकिन इसकी भी प्रति तीनों राज्यमंत्रियों के पास भेजी जाए। तारांकित सवालों की ब्रीफिंग के दौरान तीनों राज्यमंत्रियों का उपस्थित रहना आवश्यक है। जयराम के इस कदम को हर लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जयराम रमेश ने अपने विभाग के तीनों राज्य-मंत्रियों का न केवल कद बढ़ा दिया है, बल्कि मंत्रालय के दैनिक कामकाज में उनकी महत्वूर्ण भूमिका भी तय कर दी है।